मैथिली लेखक को साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार

कोलकाता : कोलकाता के युवा लेखक नवकृष्ण ऐहिक को उनके मैथिली व्यंग्य संग्रह ''खुरचनभाइक कछमच्छी'' के लिए साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार, 2022 के लिए चुना गया है। उनका मूल नाम रूपेश कुमार झा है। 27 मई 1989 को बिहार प्रांत के मधुबनी जिले के त्योंथा गांव में जन्में रूपेश कोलकाता में रहते हैं और एक आईटी प्रोफेशनल के रूप में काम करते हैं। रूपेश करीब डेढ़ दशक से स्वतंत्र लेखन के क्षेत्र में सक्रिय हैं। रुपेश की मैथिली भाषा में कविता संग्रह एक मिसिया (2013) और व्यंग्य संग्रह खुरचनभाइक कछमच्छी (2015) प्रकाशित हो चुकी हैं। उनके व्यंग्य नाटक कानफुसकी का सफलतापूर्वक मंचन हो चुका है। रूपेश प्रतिष्ठित ऑनलाइन पत्रिका मिथिमीडिया का संपादन और संचालन कर रहे हैं। उन्हें इससे पहले नवहस्ताक्षर पुरस्कार, सीसीआरटी जूनियर फैलोशिप पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। रूपेश की इस कामयाबी पर कोलकाता स्थित मैथिली भाषियों की सामाजिक संस्था मिथिला सेवा ट्रस्ट के चेयरमेन रमाकांत झा ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मैथिली समाज से आए रुपेश की इस उपलब्धि पर लोगों में हर्ष व्याप्त है।